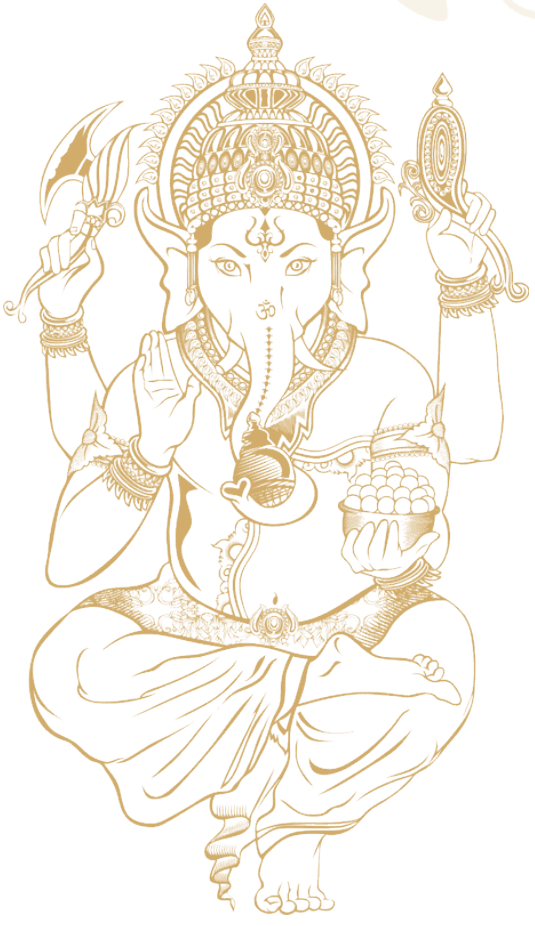

Saurabh

12 Oct 1992

07:00 AM

Jalesar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120838202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/10/1992**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	01:51:46 घटी
स्थान	**Jalesar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:29:00 उत्तर
रेखांश	78:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:43:12 घंटे
वेलान्तर	00:13:32 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:42 घंटे
सूर्योदय	06:15:17 घंटे
सूर्यास्त	17:50:56 घंटे
दिनमान	11:35:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:13:06 कन्या
लग्न के अंश	04:14:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	हर्षण
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:14:27	315:24:59	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	25:13:06	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मीन	28:46:30	12:28:21	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	21:33:27	00:26:43	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	13:08:46	01:27:33	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			कन्या	06:33:22	00:12:38	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	26:53:42	01:13:06	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		मक	18:04:23	00:00:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	29:49:36	00:11:12	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:49:36	00:11:12	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			धनु	20:26:19	00:00:58	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:28:38	00:00:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	27:48:00	00:02:07	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	05:45:32	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:38

लग्न-चलित

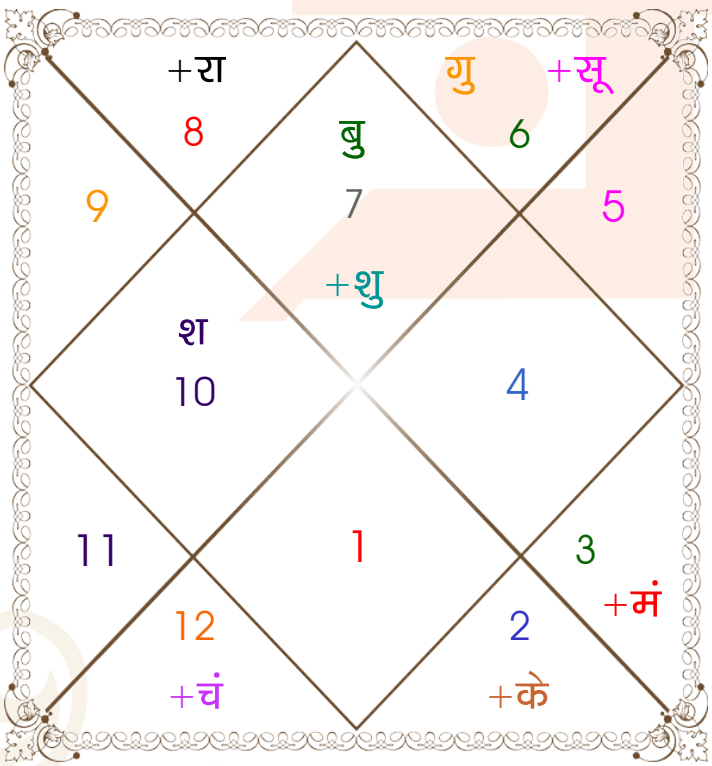

चन्द्र कुंडली

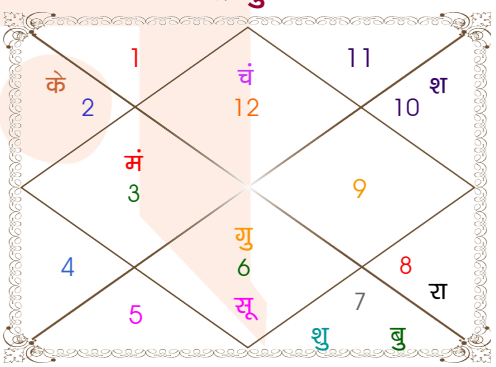

नवमांश कुंडली

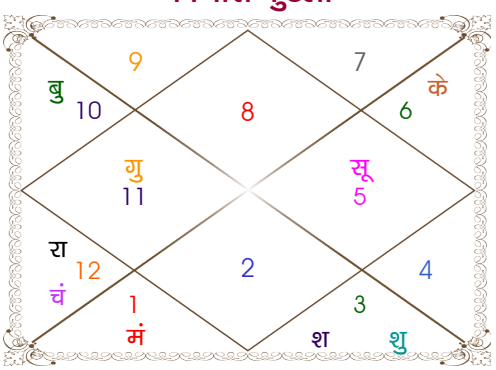

Shivshakti jotish sadan
Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India
8077312012,9412412012
acharyaji12012@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 6 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/10/1992		05/05/1994		05/05/2001		05/05/2021		06/05/2027	
05/05/1994		05/05/2001		05/05/2021		06/05/2027		05/05/2037	
	00/00/0000	केतु	01/10/1994	शुक्र	04/09/2004	सूर्य	23/08/2021	चंद्र	05/03/2028
	00/00/0000	शुक्र	02/12/1995	सूर्य	04/09/2005	चंद्र	21/02/2022	मंगल	04/10/2028
	00/00/0000	सूर्य	07/04/1996	चंद्र	06/05/2007	मंगल	29/06/2022	राहु	05/04/2030
	00/00/0000	चंद्र	06/11/1996	मंगल	05/07/2008	राहु	24/05/2023	गुरु	05/08/2031
	00/00/0000	मंगल	05/04/1997	राहु	05/07/2011	गुरु	11/03/2024	शनि	05/03/2033
	00/00/0000	राहु	23/04/1998	गुरु	05/03/2014	शनि	21/02/2025	बुध	05/08/2034
	00/00/0000	गुरु	30/03/1999	शनि	05/05/2017	बुध	28/12/2025	केतु	06/03/2035
	12/10/1992	शनि	08/05/2000	बुध	05/03/2020	केतु	05/05/2026	शुक्र	03/11/2036
शनि	05/05/1994	बुध	05/05/2001	केतु	05/05/2021	शुक्र	06/05/2027	सूर्य	05/05/2037

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/05/2037		05/05/2044		05/05/2062		05/05/2078		05/05/2097	
05/05/2044		05/05/2062		05/05/2078		05/05/2097		13/10/2112	
मंगल	01/10/2037	राहु	16/01/2047	गुरु	23/06/2064	शनि	08/05/2081	बुध	02/10/2099
राहु	20/10/2038	गुरु	11/06/2049	शनि	04/01/2067	बुध	16/01/2084	केतु	29/09/2100
गुरु	26/09/2039	शनि	17/04/2052	बुध	11/04/2069	केतु	24/02/2085	शुक्र	31/07/2103
शनि	03/11/2040	बुध	04/11/2054	केतु	18/03/2070	शुक्र	26/04/2088	सूर्य	05/06/2104
बुध	01/11/2041	केतु	22/11/2055	शुक्र	16/11/2072	सूर्य	08/04/2089	चंद्र	05/11/2105
केतु	30/03/2042	शुक्र	22/11/2058	सूर्य	04/09/2073	चंद्र	07/11/2090	मंगल	02/11/2106
शुक्र	30/05/2043	सूर्य	17/10/2059	चंद्र	04/01/2075	मंगल	17/12/2091	राहु	21/05/2109
सूर्य	05/10/2043	चंद्र	17/04/2061	मंगल	11/12/2075	राहु	23/10/2094	गुरु	27/08/2111
चंद्र	05/05/2044	मंगल	05/05/2062	राहु	05/05/2078	गुरु	05/05/2097	शनि	13/10/2112

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रूचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।